खण्ड - 8 संख्या - 3

नवम् बिहार विधान-सभा

विधान-सभा वादवृत्त

भाग-2, कार्यवाही प्रश्नोत्तर-रहित

मंगलवार, तिथि 12 जनवरी, 1988 ई0

यही नहीं विभाग में योग्य व्यक्ति के रहने पर भी लेखापाल के संवर्गीय पद पर बाह्य व्यक्ति को रखा जा रहा है जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूटा हुआ है एवं काफी असन्तोष भी है।

(थ) सिवान जिले के आदेशपालों की उचित माँग पर सुनवाई

श्री शिवशंकर यादव : अध्यक्ष महोदय, सिवान जिला में उम्मीदवार आदेशपाल जो 10 वर्षों से दैनिक मजदूरी पर कार्य कर रहे हैं, वे अपनी माँगों को लेकर हड़ताल, अनशन पर बैठे हैं और उन्हें जेल में भेजा जा रहा है। मैं अनुरोध करता हूँ कि सरकार द्वारा उनकी माँगों पर शीघ्र उचित निर्णय किया जाय।

कार्यस्थगन प्रस्ताव

(क) नालन्दा सिरामिक्स कारखाना के कर्मचारियों के बकाये वेतन का भुगतान (अस्वीकृत)

अध्यक्ष : आज दिनांक 12.01.88 के लिये निम्नलिखित माननीय सदस्य श्री सूरज मंडल, श्री लालू प्रसाद, श्री रघुवंश प्रसाद सिंह श्री बच्चा चौबे द्वारा कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनाएँ दी गयी हैं लेकिन ये सभी कार्यस्थगन प्रस्ताव अस्वीकृति किये गये।

श्री सूरज मंडल : अध्यक्ष महोदय, राँची जिला के गेतलसूद में नालन्दा सिरामिक्स कारखाना बी. एस. आई. डी. सी. एवं अन्य सहयोगी वित्त संस्थाओं से चलाया जा रहा है जिसमें राज्य सरकार का 86 प्रतिशत शेयर है और 14 प्रतिशत दो अन्य निजी लोगों का है। उक्त कारखाने में पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को मिलाकर चार सौ लोग काम करते हैं। जिसमें नब्बे प्रतिशत लोग अनुसूचित जनजाति के कर्मचारी हैं। सभी कर्मचारियों

का तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है तथा राशि के अभाव में कच्चा माल एवं ईधन नहीं लाया जा रहा है जिसके कारण उत्पादन ठप्प है। कार्मचारी भूखों मरने की स्थिति में हैं। सरकार वित्त साधन एवं मजदूरों का तीन माह का वेतन का भुगतान करे। इस पर विचार-विमर्श करने के लिए आगे की कारवाई को रोकी जाय।

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, इसको कौल एटेंशन में बदल दिया जाय।

अध्यक्ष : आप चैम्बर में बात कीजिये, देखूँगा क्या हो सकता है।

(ख) दीघा एवं पहलेजाघाट के बीच रेल ब्रीज की माँग (अस्वीकृत)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार को जोड़ने हेतु गंगा नदी पर दीघा घाट एवं पहलेजाघाट के बीच प्रस्तावित रेलपुल निर्माण नहीं होने से बिहार विकास नहीं कर पा रहा है। उत्तर बिहार लाभ से बंचित हो रहा है। बिहार सरकार ने इस दिशा में केन्द्र सरकार के रेल विभाग से अभी तक कुछ भी नहीं पत्राचार किया। जनअसंतोष भड़क रहा है। अत: रेल ब्रीज दीघा एवं पहलेजाघाट के बीच बने यह प्रस्ताव शीघ्र पास कराया जाय।

(ग) गेहूँ की फसल लगाने के समय खाद-आपूर्ति बाधित (अस्वीकृत)

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, गेहूँ की फसल लगाने के समय खाद का अभाव हो गया। नगदी भी खाद नहीं मिल सका। खाद की आपूर्ति करने में सरकार विफल रही है। इतना ही नहीं अध्यक्ष महोदय, खाद्य की जो आपूर्ति बिस्कोमान से की गई, बाजार में जहाँ 113 रुपया में प्रति बोरा (50 कि. ग्रा. का) मिल रहा था, बिस्कोमान के द्वारा 123 रु० की